MGPS

गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य

वर्ष 2024–2025 के लिए

गांधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि
(एमएजीपीएस)

गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पीजीडीजीपीएस)

गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
(पीजीसीजीपीएस)

गांधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गांधी और शांति अध्ययन में कला स्नातकोत्तर उपाधि (एमएजीपीएस); गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीजीपीएस) और गांधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गांधी और शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा हैं और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पष्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँः

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2024 सत्र के लिए	31 मार्च 2025	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2025 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2025	

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देषों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगीः

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें:
   यह सुनिष्चित कर लें कि आपका उत्तरः
   क) तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और।
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ,

पाठ्यक्रमः गांधी : व्यक्ति और उनका युग (एम जी पी–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गांधी ने स्वयं में प्राचीन भारतीय सभ्यता के विचारों को किस प्रकार से प्रस्तुत किया? चर्चा कीजिए।

2. गांधी के सविनय अवज्ञा आन्दोलन का वर्णन कीजिए और भारत के विभिन्न हिस्सों में इसकी प्रतिक्रियायें बताइए।

3. आपकी राय में, बँटवारे के मुद्दे पर गांधी की क्या सोच थी? स्पष्ट कीजिए।

4. आपके विचार में भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन पर द्वितीय विश्व युद्ध का क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए।

5. भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में भगत सिंह की भूमिका और योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) गोपाल कृष्ण गोखले
   ख) दलित वर्गों का प्रतिनिधित्व

7. क) भारतीय मुस्लिम लीग
   ख) गांधी ने स्वयं को लोकमान्य तिलक के 'सच्चे अनुयायी' के रूप में वर्णित किया है। टिप्पणी कीजिए।

8. क) ग्रामीण स्वच्छता
   ख) हेनरी डेविड थोरो का गांधी पर प्रभाव

9. क) दक्षिण अफ्रीका में *सत्याग्रह*
   ख) गांधी के सकारात्मक योगदान पर डांगे के विचार

10. क) गांधी–इरविन समझौता
    ख) गांधी बनाम सुभाष चन्द्र बोस

पाठ्यक्रमः गांधी का दर्शन (एम जी पी–002)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–002/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गांधी किस प्रकार से 'निरपेक्ष' और 'सापेक्ष' सत्य के बीच अंतर करते हैं, स्पष्ट कीजिए।

2. गांधी की *अहिंसा* की संकल्पना के अर्थ और महत्व का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

3. राष्ट्र–राज्य और आधुनिक औद्यौगीकीकरण की पाश्चात्य अवधारणाओं पर गांधी के विचारों की विवेचनाा कीजिए।

4. 'गांधी का धर्म सार्वभौमिक धर्म है जो कि परम्पराओं, अन्धविश्वासों और विवेकहीनता से विहीन है।' समीक्षा कीजिए।

5. स्वदेशी के सिद्धान्तों की तथा समकालीन समय में इसकी प्रासांगिकता पर परिचर्चा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) गांधी का 'सत्य ईश्वर है' का सूत्रीकरण
   ख) जॉन रस्किन और गांधी के आर्थिक विचार

7. क) सार्वभौमिक धर्म –अनकेता में एकता
   ख) सच्चा *स्वराज*, राजनीतिक और आर्थिक, दोनों स्वतंत्रतायें है।

8. क) 'अस्पृश्यता' पर गांधी के विचार
   ख) *सर्वोदय* का पारिस्थितकीय आयाम

9. क) गांधी और अनेकतावाद
   ख) गांधी के *सर्वोदय* के बुनियादी तत्व

10. क) हिंदूवाद पर गांधी के विचार
    ख) यूरोप के उपनिवेशवाद के विरूद्ध, *सत्याग्रह* एक औजार के रूप में

पाठ्यक्रमः गांधी का सामाजिक चिंतन (एम जी पी–003)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–003/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गांधी ने *'वर्णाश्रम'* की सामाजिकता को स्वीकार किया है परन्तु *वर्णों* के बीच अधीनीकरण के विचार को स्वीकार करने से मना किया है। चर्चा कीजिए।

2. गांधी के अनुसार महिलाएँ संस्कृति और मूल्यों की संरक्षक होती हैं। परीक्षण कीजिए।

3. साम्प्रदायिक सौहार्द के गांधी दृष्टिकोण का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

4. यह कहा जाता है कि गांधी की धर्म की धारणा, सभी ऐतिहासिक धर्मों से श्रेष्ठ थी। परीक्षण कीजिए।

5. भारत के राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में युवाओं को शामिल करने के लिए गांधी की क्या भूमिका थी? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) भारत के लिए राष्ट्रीय भाषा के विकास की दिशा में गांधी के प्रयास और पहल
   ख) बाल विवाह पर गांधी के विचार

7. क) औद्योगिक संबंधों पर गांधी के विचार
   ख) अहिंसा की गाँधीवादी अवधारणा

8. क) गांधी के शाकाहारवाद का आधार शारीरिक नहीं बल्कि नैतिक है। टिप्पणी कीजिए।
   ख) सत्य का अनुभव करने के साधन के रूप में *अहिंसा* पर गाँधी के विचार

9. क) गांधी की दार्शनिकता की योजना में प्रकृति का महत्व
   ख) जाति व्यवस्था के गुण और दोष

10. क) गांधीवादी दृष्टिकोण के अनुसार 'कल्याण' शब्द का अर्थ
    ख) नैतिक और आध्यात्मिक विकास पर गाँधी के विचार

पाठ्यक्रमः गांधी का राजनैतिक चिंतन (एम जी पी–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–004/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. औद्यौगीकरण की प्रक्रिया के सम्बन्ध में गांधी की आलोचना का विश्लेषण कीजिए।

2. संघर्ष के समाधान में 'साध्य' और 'साधनों' के महत्व पर गांधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।

3. गांधी के अनुसार आर्थिक समानता अहिंसक आत्मनिर्भता की 'प्रमुख चाबी' है। चर्चा कीजिए।

4. गांधी के अनुसार शक्ति और प्राधिकार के केन्द्रीयकृत होने के परिणामस्वरुप भ्रष्टाचार बढ़ता है और इसलिए उन्होंने शक्ति को विकेन्द्रीय करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। 21वीं सदी में इसकी प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए।

5. फ़ासीवाद और नस्लवाद के बीच विशिष्ट सम्बन्धों की समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) व्यक्तिगत स्वायत्तता की गांधी की अवधारणा
   ख) *सत्याग्रह,* संघर्ष समाधान के एक उपाय के रूप में

7. क) गांधीवादी शांतिवाद के मुख्य तत्व
   ख) गांधी दर्शन में संरचनात्मक कार्यक्रम की भूमिका

8. क) उपनिवेशवाद बनाम साम्राज्यवाद
   ख) *'अहिंसा'* की अवधारणा

9. क) समाजवाद में सामाजिक परिवर्तन और सत्ता का पुर्नवितरण
   ख) 'संरचनात्मक हिंसा' को रोकने के लिए गांधी के विचार

10. क) संघर्ष और इसके समाधान
    ख) राज्य, दायित्व और नागरिक अवज्ञा

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम जी पी–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. 'सहभागितापूर्ण लोकतंत्र' शब्द की परिभाषा दीजिए और इसकी संस्थागत आवश्यकताओं का वर्णन कीजिए।

2. संघर्ष के स्त्रोतों पर विभिन्न सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों का आलोचनात्मक पुनरीक्षण कीजिए।

3. सकारात्मक नीति के गुणों और सीमाओं की समालोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

4. 'नस्लवाद' शब्द से आप क्या समझते हैं? किस प्रकार से यह, विभिन्न समाजों में प्रकट होता है?

5. अर्न्तराष्ट्रीय संबंधों में संघर्ष समाधान का कौन–कौन से दृष्टिकोण आपको आकर्षित करते है? कारण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) वैकल्पिक विवाद समाधान
   ख) यूनेस्को और शांति शिक्षा

7. क) समानता और संस्कृति
   ख) न्याय का सिद्धान्त

8. क) अवपीड़क (coercive) पद्धतियों से विवादों के शांतिपूर्ण समझौतों को समुचित उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए।
   ख) शांति और लोकतंत्र के मध्य संबंध

9. क) शांति और आक्रामकता
   ख) शांति शिक्षा के एक हिस्से के रूप में शिक्षा पर गांधी के विचार

10. क) मानव विकास और गरीबी उन्मूलन
    ख) वैश्वीकरण और पर्यावरणीय क्षरण

पाठ्यक्रमः गाँधी के आर्थिक विचार (एम जी पी ई–006)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–006/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. ब्रिटिश औपनिवेशिक आर्थिक नीति की 'राष्ट्रवादी' आलोचना की जांच कीजिए।

2. इच्छाओं की बाहुल्यता और संग्रहणशीलता, दोनों ही तत्व, नैतिक पतन और सामाजिक विघटन की ओर ले जाते हैं। (गांधी)। टिप्पणी कीजिए।

3. आपके मत में गांधी के न्यासिता (ट्रस्टीशिप) के सिद्धांत की मूल विशेषतायें और गुण–दोष क्या हैं। विश्लेषण कीजिए।

4. विकास के प्रमुख प्रतिमान और विकास के गांधीवादी विचार के बीच मुख्य अंतर को स्पष्ट कीजिए।

5. भारत में आर्थिक संधारणीयता (सातत्य) और सामाजिक न्याय को उन्नत करने के लिए सरकार द्वारा कौन से उपाय किये गये हैं, समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) भारतीय कृषकीय–अर्थव्यस्था के सम्मुख प्रमुख चुनौतियाँ
   ख) गांधी की मशीन की अवधारणा

7. क) गांधी का औद्योगीकरण का प्रतिमान (Model) और इसकी वर्तमान में प्रासंगिकता
   ख) रोटी श्रम (Bread Laborer) की नीति

8. क) कुटीर और कताई–बुनाई इकाइयों की भूमिका और प्रासंगिकता
   ख) आर्थिक समानता सुनिश्चितीकरण के लिए गांधी का दृष्टिकोण

9. क) गांधी और अंबेडकर की आर्थिक सहमतियाँ
   ख) दक्षिण अफ्रीका में गांधी का सत्याग्रह आंदोलन

10. क) स्वदेशी, सर्वोदय और संरचनात्मक कार्यक्रम
    ख) गांधी की आत्म–निर्भरता की संकल्पना

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसक आन्दोलन (एम जी पी ई–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–2025
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. भारतीय परिदृश्य के विशेष संदर्भ में, निषेध आंदोलन व इसके प्रभाव की समीक्षा कीजिए।

2. अहिंसात्मक आंदोलनों की गतिकी (dynamics) क्या है? ये किस प्रकार के परिणाम उत्पन्न करते हैं?

3. बांध निर्माण किस प्रकार पारिस्थितिकी संतुलन को परिवर्तित करते हैं? समुचित उदाहरणों सहित सविस्तार वर्णन कीजिए।

4. प्रतिनाभिकीय अभियानों के विशेष संदर्भ में, यूरोप में ग्रीनपीस के प्रमुख प्रयासों की गणना कीजिए।

5. संयुक्त राज्य अमरीका में नागरिक अधिकार आंदोलन क्या था? इसके संबंध मे डेमाक्रेट्स (जनतंत्रवादियों) और रिपब्लिकन्स (गणराज्यवादियों) के क्या विचार हैं?

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) राष्ट्रीय जल जागरूकता अभियान
   ख) पोलैण्ड में एकजुटता आन्दोलन का उद्भव

7. क) चिपको आंदोलन
   ख) नर्मदा बचाओ आंदोलन

8. क) गांधी –पर्यावरणीय हितों के समर्थक के रूप में
   ख) संपूर्ण क्रांति में कार्यवाही का तरीका

9. क) मदिरा कर पर गांधी के विचार
   ख) दक्षिण अफ्रीका में रंग–भेद प्रथा

10. क) किसान आंदोलनों की विचारधारा
    ख) ग्रामदान आंदोलनों की प्रमुख विशेषतायें

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण
(एम जी पी ई–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. स्पष्ट कीजिए कि गांधी ने क्यों अपना मिशन और यात्रा, नोआखाली में जाने के लिए किया। क्या आप इसके तार्किक आधारों से सहमत हैं?

2. संघर्ष समाधान के गांधीवादी दृष्टिकोण के मूल तत्वों और संकल्पनाओं के संबंध में आपकी क्या समझ हैं? स्पष्ट कीजिए।

3. यह कहा गया है कि गांधी की *अहिंसा* की संकल्पना शांतिवाद से भिन्न है। क्या आप इससे सहमत हैं?

4. '*सत्याग्रह* एक संघर्ष समाधान का जीवनक्षम, स्वायत्त निर्माण प्रणाली है।' (थॉमस वेबर)। क्या आप इससे सहमत हैं?

5. शांतिपूर्ण सामाजिक व्यवस्था को समुन्नत करने में शिक्षा की भूमिका की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) शांति प्रक्रिया में जन–भागीदारी
   ख) संघर्ष के विशिष्ट स्त्रोत

7. क) सामयिक विश्व में बातचीत और सौदेबाजी की प्रासंगिकता
   ख) प्रत्यक्ष और संगठनात्मक हिंसा के बीच अंतर

8. क) सकारात्मक शांति की अवधारणा
   ख) अनशन पर गांधी के विचार और वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता

9. क) 'हड़तालों की नैतिकता' पर गांधी के विचार
   ख) सामुदायिक शांति का गांधी का दृष्टिकोण

10. क) सौहार्द्धपूर्ण समाज के निर्माण मे सहनशीलता की भूमिका
    ख) शांति सेना का विचार और संघर्ष समाधान में इसकी भूमिका

पाठ्यक्रमः इक्कीसवीं सदी में गाँधी (एम जी पी ई–009)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–009/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. विश्व व्यवस्था पर गांधी के विचारों का आलोचनात्मक पुनर्विवेचन कीजिए और वर्तमान में इसके गुण–दोष और प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

2. 'यदि अहिंसा हमारा कानून बनता है तो भविष्य महिलाओं के साथ है।' (गांधी)। जेंडर (लिंग) समानता पर गांधी के विचारों की व्याख्या कीजिए।

3. आतंकवाद की समस्या के समाधान के लिए गांधी के दृष्टिकोण का आकलन और मूल्यांकन कीजिए।

4. यह कहा जाता है कि भारत विश्व में सबसे बड़ा बहुसांस्कृतिक समाज है। क्या आप इससे सहमत हैं? अपने कारण प्रस्तुत कीजिए।

5. गांधी विज्ञान और प्रौद्यौगिकी के विरूद्ध नहीं थे बल्कि उसके दुरूपयोग के विरूद्ध उनके सख्त विचार थे। क्या आप इससे सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) अनेकता में एकता : भारतीय दृष्टिकोण
   ख) राजनैतिक वैश्वीकरण का अर्थ और सार

7. क) धर्म–निरपेक्षतावाद पर गाँधी के विचार
   ख) मानवाधिकारों में सांस्कृतिक विविधता का चरित्र–चित्रण

8. क) सामयिक विश्व में संचार माध्यमों (मीडिया) की भूमिका
   ख) सामाजिक समावेशन और सामाजिक लोकतंत्रीकरण की गांधीवादी पद्धतियाँ

9. क) टिप्पणी कीजिए –गांधी एक पत्रकार के रूप में
   ख) सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आयाम

10. क) महिला सशक्तिकरण पर गांधी के विचार
    ख) ग्रामों का पुर्ननिर्माण

पाठ्यक्रमः संघर्ष प्रबंधन (एम जी पी ई–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–010/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. संघर्ष–उपरान्त् पुर्ननिर्माण और पुर्नवास से आप क्या समझते हैं? इस कार्य में संचार माध्यमों (मीडिया) की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

2. जॉन गाल्टुंग द्वारा प्रतिपादित प्रत्यक्ष, संरचनात्क और सांस्कृतिक हिंसा की अवधारणा की विवेचना कीजिए।

3. संघर्ष प्रबंधन से आप क्या समझते है? संघर्ष प्रबंधन के सामाजिक और पर्यावरणीय आयाम क्या हैं? परीक्षण कीजिए।

4. विकासशील समाजों में संघर्ष समाधान में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका की जांच कीजिए।

5. गांधी की स्वराज की अवधारणा क्या है? इससे कैसे सर्वोदय और अन्त्योदय के लिए मार्ग प्रशस्त होता है?

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) विश्व बैंक और अर्न्तराष्ट्रीय मुद्रा कोष की भूमिका
   ख) गांधी की दृष्टि में आधुनिक विश्व में भारत का स्थान

7. क) संघर्ष रूपान्तरण
   ख) अर्न्तवैयक्तिक संघर्ष

8. क) शांति निर्माण के लिए नारीवादी दृष्टिकोण
   ख) संघर्ष प्रबंधन के सामाजिक और पर्यावरणीय आयाम

9. क) चम्पारन सत्याग्रह
   ख) संघर्ष पश्चात् रूपान्तरण में राजनैतिक जनतंत्र उपागम

10. क) अफगानिस्तान के पुर्ननिर्माण में भारत की भूमिका
    ख) संघर्ष रूपान्तरण के लिए अहिंसावादी उपागम

पाठ्यक्रमः मानव सुरक्षा (एम जी पी ई–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–011/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. दक्षिण एशिया –राजनीतिक हिंसा के विभिन्न प्रकारों का क्षेत्र है। इस क्षेत्र के किसी भी एक देश का उदाहरण देते हुए अपने विचार प्रकट कीजिए।

2. आतंकवाद राजनीतिक हिंसा का एक असममित (अव्यवस्थित) रूप है। व्याख्या कीजिए।

3. पर्यावरणीय, खाद्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में, बाहरी हस्तक्षेप के –सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव क्या हैं? वर्णन कीजिए।

4. मानव सुरक्षा पर संयुक्त राष्ट्र मिलेनियम रिपोर्ट (2002) में स्थापित लक्ष्य और उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।

5. एकीकृत बाल विकास सेवाएँ उपलब्ध कराने में भारत सरकार की विभिन्न पहलों का वर्णन कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) भारत में गरीबी उन्मूलन
   ख) खाद्य सुरक्षा और उसका महत्व

7. क) भारत में महिलाओं का हाशियाकरण
   ख) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग : मुद्दे और चुनौतियाँ

8. क) वैश्विक स्तर पर मानव सुरक्षा का गांधीवादी दृष्टिकोण
   ख) 1993 का वियना घोषणापत्र और कार्यक्रम की रूपरेखा

9. क) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम
   ख) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण

10. क) मानव तस्करी, जेंडर और पर्यावरणीय मुद्दे
    ख) शहरी असंगठित मजदूरों की समस्यायें

पाठ्यक्रमः महिलाएँ और शांति (एम जी पी ई–012)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–012/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. डब्लू. डब्लू. रोस्टोव (W.W. Rostow) और शुम्पीटर (Schumpeter) जैसे पाश्चात्य विचारकों द्वारा प्रतिपादित विकास के सिद्धान्तों के गुणों (उत्कर्षता) और सीमाओं का वर्णन कीजिए।

2. पर्यावरणीय संरक्षण के क्षेत्र में महिलाओं के विशिष्ट योगदान की चर्चा कीजिए। उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

3. भारत में समकालीन महिलाओं के आन्दोलन के लिए आपके आंकलन में गांधीवादी विरासत क्या है?

4. इस्लाम और ईसाई संस्कृतियों में महिलाओं की वस्तुस्थिति पर चर्चा कीजिए।

5. क्या आप सोचते हैं नृजातीय हिंसा महिलाओं को प्रभावित करती है? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) कार्यस्थल पर यौन–उत्पीड़न
   ख) 'दहेज', महिलाओं के विरूद्ध हिंसा के एक रूप में

7. क) पर्यावरण संरक्षण में महिला आंदोलनकारियों का योगदान
   ख) बालश्रम के विरूद्ध अभियान

8. क) संरचनात्मक जेंडर (लिंग) आधारित हिंसाा के विभिन्न रूप
   ख) शक्ति और नियंत्रण चक्र

9. क) अफगानिस्तान में महिलाओं द्वारा अग्रगामी शांति पहलें
   ख) केन्या में 'हरित पट्टी' आंदोलन

10. क) आर्थिक–नारीवाद
    ख) दहेज विरूद्ध आंदोलन

पाठ्यक्रमः नागरिक समाज, राजनैतिक शासन और संघर्ष (एम जी पी ई–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–013/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. नागरिक समाज की पारम्परिक अवधारणा और इसकी आधुनिक राज्यव्यवस्था में कार्यात्मक संस्था के रूप में सीमाओं का वर्णन कीजिए।

2. 'गांधी के लिए स्वराज आत्म–निर्भरता और स्व–शासन है।' स्पष्ट कीजिए।

3. 'भूमण्डलीकरण प्रक्रिया बाजार, राज्य और नागरिक समाज के बीच के समीकरण को कठोरता से परिवर्तित कर रही है।' व्याख्या कीजिए।

4. गैर–सरकारी संगठनों (NGOs) की भूमिका और प्रासंगिकता पर उपयुक्त उदाहरणों सहित टिप्पणी कीजिए।

5. शांति की संस्कृति क्या है? इसकी –संकल्पना के रूप में विकास की, खोज कीजिए और इसकी विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए।

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) बारूदी सुरंगों (लैंड माइनों) पर प्रतिबंध लगाने के लिए अंर्तराष्ट्रीय अभियान
   ख) भारतीय शांति आन्दोलनों की उपलब्धियाँ और सीमायें

7. क) गरीबी और भुखमरी उन्मूलन के लिए ग्रामीण बैंक की कार्यप्रणाली
   ख) गांधीवादी नागरिक समाज : वैश्विक शांति के लिए प्रत्युत्तर

8. क) शांति आंदोलनों के उद्भव और विकास का पता लगाइये।
   ख) ग्राम्शी की नागरिक समाज की अवधारणा

9. क) मानवाधिकारों का सार्वभौम घोषणापत्र (UDHR)
   ख) पंचायती राज संस्थाऐं

10. क) राज्य और नागरिक समाज के मध्य अर्न्तसंबंध
    ख) विभिन्न प्रकार के राजनीतिक शासन

पाठ्यक्रमः गांधी पारिस्थितिकी और सतत् विकास (एम जी पी ई–014)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–014/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. वैश्विक तापन से संबंधित तत्कालीन बहस (वाद–विवादों) पर विचार व्यक्त कीजिए।

2. भारत में पर्यावरणीय मूल्यों से सम्बन्धित धार्मिक आदेशों को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

3. गांधी पर विभिन्न प्रभावों की परिगणना कीजिए जिनकी सहायता से उन्होंने पृथ्वी और पर्यावरण पर अपने विचार व्यक्त किये।

4. केवल विकेन्द्रीकरण और एकीकृत ग्राम विकास से पारिस्थितिकी और विकास के बीच संतुलन बनाए रखा जा सकता है। टिप्पणी कीजिए।

5. वर्तमान संदर्भ में –गांधीवादी जीवनचर्या और जीवनयापन की प्रासंगिकता की जांच कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) संरचनात्मक कार्यक्रम : खादी और ग्रामोद्योग
   ख) मानव पारिस्थितिकी और पारिस्थितिकी संतुलन के उपाय

7. क) सतत् विकास और ग्राम स्वराज की गांधी की अवधारणा
   ख) भारत में पर्यावरणीय शिक्षा

8. क) एक पारिस्थितिकीयविद् के रूप में गांधी
   ख) पारिस्थितिकी–मैत्रीपूर्ण व्यवहार के सम्बन्ध में गांधी आश्रमों की प्रमुख विशेषतायें

9. क) 'लालच की संस्कृति' और सतत् विकास पर इसका प्रभाव
   ख) गांधी के विकासात्मक दृष्टिकोण के नैतिक और आध्यात्मिक आधार

10. क) पारिस्थितिकी विकास के संस्थागत आयाम
    ख) पर्यावरण और संरक्षण पर प्राचीन भारत का दृष्टिकोण

पाठ्यक्रमः शोध पद्धतियों का परिचय(एम जी पी ई–015)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–025/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. सामाजिक विज्ञान में शोध निश्चयात्मक नहीं होता है। क्या आप इससे सहमत हैं? वर्णन कीजिए।

2. कारण नहीं बल्कि अनुभव ज्ञान के स्त्रोत हैं। सामाजिक विज्ञान में अनुभवजन्य शोध की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालते हुए टिप्पणी कीजिए।

3. शोध में नमूना बनाने (प्रतिचयन) की तकनीक पर एक व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।

4. सिद्धात को परिभाषित कीजिए। आख्यानों के संबंध में सैद्धान्तिक आधारों का पता लगाइये।

5. कम्प्यूटर (संगणक) के अविष्कार के पहले और बाद –शोध प्रदर्शन विधि का संक्षिप्त विश्लेषण कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) क्षेत्र शोध अंनुसंधान और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में इसके लाभ
   ख) सामाजिक समस्याओं को समझने के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण

7. क) परिकल्पना तैयार करना
   ख) नृजाति (एथनोग्राफि) की प्रमुख विशेषतायें

8. क) गांधी एक समाज–विज्ञानी या एक समाज–आविष्कारक या दोनों हैं? कारण देकर स्पष्ट कीजिए।
   ख) शांति विश्लेषण का अर्थ और विभिन्न स्तर

9. क) सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उत्प्रेरणा कारक
   ख) आधारभूत और अनुप्रयुक्त अनुसंधान

10. क) संघर्ष मानचित्रण के आधारभूत तत्व
    ख) आंकड़ा एकत्रीकरण और आंकड़ा विश्लेषण की वास्तविकता

पाठ्यक्रमः मानव अधिकारः भारतीय परिप्रेक्ष्य (एम जी पी ई–016)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–016/ए एस एस टी/टी एम ए/2024–25
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. मानव अधिकारों की पाश्चात्य और गैर–पाश्चात्य परम्पराओं का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।

2. क्या संविधान के राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्तों में अर्न्तविष्ट प्रावधान मानव के सम्बन्ध में उपयुक्त है? कारणों सहित स्पष्ट कीजिए।

3. 'सत्याग्रह का सार मान अधिकारों की अवधारणा है।' (गांधी)। टिप्पणी कीजिए।

4. भारत में अस्पृश्यता के निवारण के लिए गांधी द्वारा की गई पहलों का वर्णन कीजिए।

5. संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकारों का सार्वभौमिक घोषणापत्र (UN UDHR) के प्रावधानों की समीक्षा के द्वारा इसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

भाग – II

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त लेख लिखिए।

6. क) मानव अधिकारों के संवर्द्धन में नागरिक समाज की भूमिका
   ख) महिलाओं के विरूद्ध भेदभाव के सभी रूपों के उन्मूलन पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन

7. क) भारत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग की भूमिका और उसके द्वारा किये गये कार्य
   ख) संस्कृति और भाषा की सुरक्षा का अधिकार

8. क) दासता के संस्थान
   ख) समानता का अधिकार

9. क) भारत में बाल अधिकारों की प्रगति
   ख) उत्तर–आधुनिक नारीवाद और इसके सैद्धान्तिक आधार

10. क) भारत में मानव अधिकारों के प्रथम प्रणेता के रूप में गांधी
    ख) अल्पसंख्यकों के अधिकार